बजट अनुमान 2009-2010

बजट अनुमान 2009-10 में वर्ष 2008-09 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 52,278 करोड़ रुपए की निवल बढ़ोतरी दिखाई गयी है । आयोजना-भिन्न व्यय में 50,086 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। आयोजना व्यय के अन्तर्गत 2,193 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। आयोजना-भिन्न तथा आयोजना अनुमानों में मुख्य मदों की घट-बढ़ को नीचे सारणी में दिया गया है:

(करोड़ रुपए)

		संशोधित 2008-09	बजट 2009-10	घट-बढ़ कमी(-)/ वृद्धि(+)
आयोजना-भिन्न				
1.	ब्याज संदाय और ऋण शोधन	192694	225511	(+) 32817
2.	रक्षा व्यय	114600	141703	(+) 27103
3.	राज्यों को आयोजना-भिन्न अनुदान	37255	45576	(+) 8321
4.	पुलिस	20711	25673	(+) 4962
5.	पेंशन	32690	34980	(+) 2290
6.	डाक संबंधी घाटा	3825	5395	(+) 1570
7.	शिक्षा	5925	7479	(+) 1554
8.	कृषि और संबद्ध सेवाएं	5891	2364	(-) 3527
9.	उर्वरक सब्सिडी	75849	49980	(-) 25869
10.	अन्य आयोजना-भिन्न व्यय	128556	129421	(+) 865
जोड़ (आयोजना-भिन्न) व्यय		**617996**	**668082**	(+) **50086**
आयोजना				
1.	केन्द्रीय आयोजना	204129	208450	(+) 4321
2.	राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की आयोजनाओं के लिए केन्द्रीय सहायता	78828	76699	(-) 2129
जोड़ (आयोजना) व्यय		**282957**	**285149**	**(+) 2192**

आयोजना-भिन्न

1. बाजार ऋणों पर अधिक ब्याज और तेल विपणन कम्पनियों और उर्वर कम्पनियों को जारी विशेष प्रतिभूतियों संबंधी ऋण के कारण।
2. छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों की कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप वेतन और पेंशन में बढ़ोत्तरी और रक्षा बलों के आधुनिकीकरण की वर्धित आवश्यकता के कारण।
3. यह वृद्धि मुख्यतया संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत राज्यों को अधिक अनुदान और केन्द्रीय बिक्री कर समाप्त किए जाने की वजह से राज्यों को हुई राजस्व हानियों के लिए क्षतिपूर्ति के कारण हुई।
4. यह वृद्धि छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन के कारण हुई।
5. यह वृद्धि छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन तथा पेंशनरों की संख्या में वृद्धि के कारण हुई।
6. यह वृद्धि छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन के कारण हुई।
7. यह वृद्धि छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन के कारण हुई।
8. यह कमी मुख्यतया सहकारी ऋण व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु नाबार्ड को अनुदान के संबंध में सं.अ. 2008-09 में प्रावधान के कारण हुई।
9. यह कमी देशी और आयातित उर्वरकों तथा विनियंत्रित उर्वरकों की आर्थिक लागत में प्रत्याशित कटौती के कारण कम सब्सिडी प्रावधान की वजह से हुई।

आयोजना

1. समग्र रूप से यह वृद्धि डाक, सूचना प्रौद्योगिकी, उर्वरक, कोयला, औद्योगिक नीति और संवर्धन, संस्कृति, पृथ्वी विज्ञान, आर्थिक कार्य, आयुष, गृह; आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन, स्कूली शिक्षा और साक्षरता, उच्च शिक्षा, अल्पसंख्यक मामले, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, योजना, विद्युत, भू-संसाधन,पोत-परिवहन और राजमार्ग, अंतरिक्ष, महिला और बाल विकास, युवा मामले और खेल और रेलवे में बढ़ोतरी का निवल प्रभाव और परमाणु ऊर्जा, दूरसंचार; ग्रामीण विकास (सं.अ. 2008-09 में एसजीआरवाई योजना के तहत बकायों के एकबारगी भुगतान के कारण), कपड़ा और शहरी विकास के तहत की गई कमी के कारण हुई।
2. समग्र रूप से यह कमी विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं; त्वरित विद्युत विकास कार्यक्रम, वर्ष 2005-06 की बाढ के दौरान क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों को दीर्घकालिक पुनर्निर्माण, सुनामी पुनर्वास कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता में कमी के निवल प्रभाव और सामान्य केन्द्रीय सहायता, विशेष केन्द्रीय सहायता, त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम और अन्य जल संसाधन कार्यक्रम, सामान्य सामाजिक सहायता कार्यक्रम, बीआरजीएफ, जेएमएनयूआरएम और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत बढ़ोतरी के कारण हुई।